


तागैख दुख	हुक्म या कायंथाही मय इनिशियल जम	नय्या व नान अहकाम जो दुख को तम में जारी हु
21/8/2025	आभिभाषक पार्थी आ परिपत्रीगत अनु. 1-2-0. सहित इत्य राजकार्य में वास्तुओं परावली वास्ते बहर दिनांक 14/8/2025 की पत्र है।	
14/8/2025	<p>आभिभाषक पार्थी अनु. 0। पार्थी स्वयं भी अनु. 0। आभिभाषक को बार-बार रुक-रुक कर आवाज लगावाई गई परन्तु आभिभाषक उपास्थित नहीं हुए। इससे जाहिर होता है कि आभिभाषक पुकरण में चैरकी हेतु इच्छुक नहीं है। अतः पुकरण अदम हाजरी व अदम चैरकी में शकिय किया जाता है। पार्थना-पत्र स्वगम भी शकिय किया जाता है। पत्रावली फंसल शुमार होकर बाद तकमील कारकिल हफतर की जावे।</p>	<p style="text-align: right;">  बहिरिकत जिना कलेवरा होव </p>